Registration No. RAJBIL /2016 / 69093

लघु उद्योग भारती

OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

UDYOG TIMES

Volume -8 Issue-12 October- 2025
Total Pages - 28 Price - Rs. 10

आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त करने में समर्थ

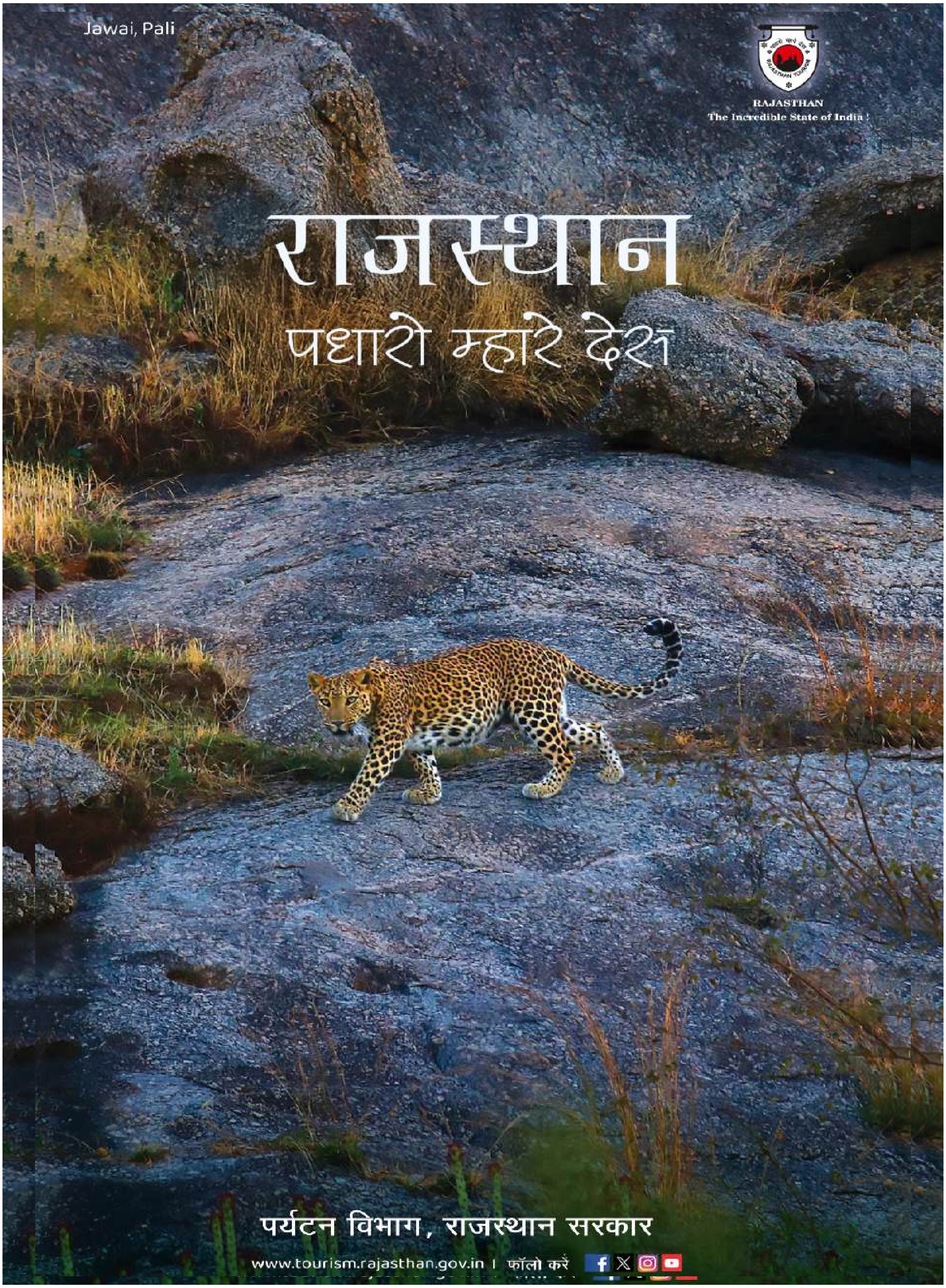
Jawai, Pali
RAJASTHAN
The Incredible State of India !
राजस्थान
पधारो म्हारे देस
पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार
www.tourism.rajasthan.gov.in । फॉलो करें

UDYOG TIMES

OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

Volume -8 Issue - 12 October 2025

Editorial Board

■ *Patron*

Shri Ghanshyam Ojha, National President	098290-22896
Shri Prakash Chandra ji, National Org. Secretary	099299-93660
Shri Om Prakash Gupta, National Gen. Secretary	095602-55055

■ *Editor*

Dr. Kirti Kumar Jain	094141-90383

■ *Co-Editor*

Dr. Sanjay Mishra	098295-58069

विवरणिका

Editorial	03
हिन्दू समाज का स्वरूप	04
स्वदेशी	10
राजस्थान बना पसंदीदा निवेश गंतव्य	13
LUB's NEWS in Brief	15

Price - 10/- *Life Membership 1000/-*

Corporate & Head Office :
Shri Vishwakarma Bhawan 48, Deen Dayal
Upadhyay Marg, Rouse Avenue, New Delhi-110002
Website : www.lubindia.com
Email : headoffice@lubindia.com
Ph.: 011-23238582
Registered Office :
Plot No. 184, Shivaji Nagar, Nagpur-440011
Ph.: 0712-2533552

Indian MSME's Export - Reform and Resilience

Editorial

Dr. Kirti Kumar Jain

kkjain383@gmail.com

Despite its geo-political upheaval, our export story is turning into one of reform and resilience. Between April and August 2025, exports rose 5.19% to USD 346.10 billion, even as global trade slowed. This growth, reflects a shift from policy rhetoric to execution. The Foreign Trade Policy 2023, PLI schemes, and PM Gati Shakti have begun to deliver rather than just offering incentives. It shows marked improvement in logistics, digital infrastructure, and competitiveness to name a few.

The export mix too is evolving, which is a great sign of things to come. From textiles and gems, we are slowly yet steadily moving into electronics, engineering goods, and pharmaceuticals, with electronics exports alone up over 40%. Even agriculture is finding global footing, powered by better connectivity and policy support.

Geopolitics, however, remains tricky. The US tariff actions on Indian goods are a reminder that trade diplomacy can quickly turn protectionist. We too must find new partners. Therefore, deepening ties with the UAE, UK, Australia, and other Asian partners to build more resilient export routes and reduce over-dependence on a few markets is the way out.

India's USD 1 trillion export target may be ambitious, but ambition, backed by reform and resilience, has always been the country's most powerful export. I have no doubt whatsoever that our MSMEs can't achieve this target!

❑❑❑

बल और शील संपन्न संगठित हिन्दू समाज का स्वरूप देश की एकता, एकात्मता, विकास व सुरक्षा की गारंटी

प्रेरक-पाथेय

मोहन भागवत

सरसंघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नागपुर के श्री विजयादशमी उत्सव पर दिए उद्बोधन का संपादित सारांश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य के शतवर्ष पूर्ण करने वाली इस विजयादशमी के निमित्त हम यहाँ एकत्रित है। संयोग है कि यह वर्ष श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के पावन देहोत्सर्ग का तीनसौ पचास वाँ वर्ष है। हिन्द की चादर बनकर उनके उस बलिदान ने विदेशी विधर्मी अत्याचार से हिन्दू समाज की रक्षा की। अंग्रेजी दिनांक के अनुसार आज स्व. महात्मा गांधी जी का जन्म–दिवस है। अपनी स्वतंत्रता के शिल्पकारों में वे अग्रणी हैं ही, भारत के 'स्व' के आधार पर स्वातंत्र्योत्तर भारत की संकल्पना करने वाले दार्शनिकों में भी उनका स्थान विशिष्ट है। सादगी, विनम्रता, प्रामाणिकता तथा दृढ़ता के धनी व देशहित में अपने प्राण तक न्यौछावर करने वाले हमारे भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्म–दिवस भी आज ही है। भक्ति, समर्पण व देशसेवा के ये उत्तुंग आदर्श हम सभी के लिए अनुकरणीय हैं। मनुष्य वास्तविक दृष्टि से मनुष्य कैसे बने और जीवन को जिये, यह शिक्षा हमें इन महापुरुषों से मिलती है। आज की देश व दुनिया की परिस्थिति भी हम भारतवासियों से इसी प्रकार से व्यक्तिगत व राष्ट्रीय चारित्र्य से सुसंपन्न जीवन की माँग कर रही है। गत वर्ष की कालावधि में हम सब ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में जो राह तय की है उसके पुनरावलोकन से यह बात ध्यान में आती है।

वर्तमान परिदृश्य में आशा और चुनौतियाँ–

यह बीती कालावधि एक तरफ विश्वास तथा आशा को अधिक बलवान बनाने वाली है तथा दूसरी ओर हमारे सम्मुख उपस्थित पुरानी व नयी चुनौतियों को अधिक स्पष्ट रूप में उजागर करते हुए हमारे लिए विहित कर्तव्य–पथ को भी निर्देशित करने वाली है। गत वर्ष प्रयागराज में संपन्न महाकुंभ ने श्रद्धालुओं की सर्व भारतीय संख्या के साथ ही उत्तम व्यवस्थापन के भी सारे कीर्तिमान तोड़कर एक जागतिक वि–क्रम प्रस्थापित किया। संपूर्ण भारत में श्रद्धा व एकता की प्रचंड लहर जगायी।

22 अप्रैल को पहलगाम में सीमा पार से आये आतंकवादियों के हमले में 26 भारतीय यात्री नागरिकों की उनका हिन्दू धर्म पूछ कर हत्या कर दी गई। संपूर्ण भारतवर्ष में नागरिकों में दुख और क्रोध की ज्वाला भड़की। भारत सरकार ने योजना बनाकर मई मास में इसका पुरजोर उत्तर दिया। इस सब कालावधि में देश के नेतृत्व की दृढ़ता तथा हमारी सेना के पराक्रम तथा युद्ध कौशल के साथ ही समाज की दृढ़ता व एकता का सुखद दृश्य हमने देखा। परन्तु अपनी तरफ से सबसे मित्रता की नीति व भाव रखते हुए भी हमें अपनी सुरक्षा के विषय में अधिकाधिक सजग व समर्थ बनते रहना पड़ेगा, यह बात भी हमें समझ में आ गई। विश्व में बाकी सब देशों के इस प्रसंग के संबंध में जो नीतिगत क्रियाकलाप बने उससे विश्व में हमारे मित्र कौन–कौन और कहाँ तक हैं इसकी परीक्षा भी हो गई।

देश में उग्रवादी नक्सली आन्दोलन के विचार का खोखलापन व क्रूरता उजागर होने और शासन की प्रभावी

कार्यवाही से उस पर नियंत्रण आया है। उन क्षेत्रों में नक्सलियों के पनपने के मूल कारणों में वहां चल रहा शोषण व अन्याय, विकास में भेदभाव तथा शासन–प्रशासन में इन सब बातों के प्रति संवेदना का अभाव रहे हैं। अब ये बाधाएं दूर होने से उन क्षेत्रों में न्याय, विकास, सद्भावना, संवेदना तथा सामंजस्य स्थापन करने के लिए कोई व्यापक योजना की आवश्यकता है।

आर्थिक क्षेत्र में भी प्रचलित परिमाणों के आधार पर हमारी आर्थिक स्थिति प्रगति कर रही है। देश को विश्व में सिरमौर बनाने का सर्व सामान्य जनों में बना उत्साह हमारे उद्योग जगत में और विशेष कर नई पीढ़ी में दिखता है। परंतु इस प्रचलित अर्थ प्रणाली के प्रयोग से अमीरी व गरीबी का अंतर बढ़ना, आर्थिक सामर्थ्य का केंद्रीकृत होना, शोषकों के लिए अधिक सुरक्षित शोषण का नया तंत्र दृढ़मूल होना, पर्यावरण की हानि, मनुष्यों के आपसी व्यवहार में व्यापारिक दृष्टि व अमानवीयता बढ़ना, ऐसे दोष भी विश्व में सर्वत्र उजागर हुए हैं। इन दोषों के निवारण तथा अमेरिका की अपने हितों को साधने वाली आयात शुल्क नीति के लिए भी हमें कुछ बातों पर पुनर्विचार करना पड़ेगा। विश्व परस्पर निर्भरता पर जीता है। परंतु स्वयं आत्मनिर्भर होकर, विश्व जीवन की एकता को ध्यान में रखकर हम इस परस्पर निर्भरता को अपनी मजबूरी न बनने देते हुए अपनी स्वेच्छा से जिएं, ऐसा हमको बनना पड़ेगा। स्वदेशी तथा स्वावलंबन को कोई पर्याय नहीं है।

जलयायु परिवर्तन- बड़ी चुनौती

विश्व भर में प्रचलित विकास की जड़वादी व उपभोगवादी नीति के दुष्परिणाम सब ओर उजागर हो रहे हैं। भारत में भी उसी नीति के चलते वर्षा का अनियमित व अप्रत्याशित वर्षामान, भूस्खलन, हिमनदियों का सूखना आदि परिणाम गत तीन–चार वर्षो में अधिक तीव्र हो रहे हैं। दक्षिण–पश्चिम एशिया का सारा जलस्रोत हिमालय से आता है। उस हिमालय में इन दुर्घटनाओं का होना भारतवर्ष और दक्षिण एशिया के अन्य देशों के लिए खतरे की घंटी माननी चाहिए।

प्रजातांत्रिक मार्गों से ही व्यवस्था परिवर्तन श्रेयस्कर-

गत वर्षों में हमारे पड़ोसी देशों में बहुत उथल–पुथल मची है। श्रीलंका में, बांग्लादेश में और हाल ही में नेपाल में जिस प्रकार जन–आक्रोश का हिंसक उद्रेक होकर सत्ता का परिवर्तन हुआ, वह हमारे लिए चिंताजनक है। भारतवर्ष और दुनियाभर में इस प्रकार के उपद्रवों को चाहने वाली शक्तियां सक्रिय हैं। शासन–प्रशासन का समाज से टूटा हुआ सम्बन्ध, चुस्त व लोकाभिमुख प्रशासकीय क्रियाकलापों का अभाव यह असंतोष के स्वाभाविक व तात्कालिक कारण होते हैं। परन्तु हिंसक उद्रेक में वांछित परिवर्तन लाने की शक्ति नहीं होती। प्रजातांत्रिक मार्गों से ही समाज ऐसे आमूलाग्र परिवर्तन ला सकता है। अन्यथा ऐसे हिंसक प्रसंगों में विश्व की वर्चस्ववादी ताकते अपना खेल खेलने के अवसर ढूंढे, यह संभावना बनती है। यह हमारे पड़ोसी देश सांस्कृतिक दृष्टि

से तथा जनता के नित्य संबंधों की दृष्टि से भी भारत से जुड़े हैं। एक तरह से हमारा ही परिवार है। यहां पर शांति रहे, स्थिरता रहे, उन्नति हो, सुख और सुविधा की व्यवस्था हो, यह हमारे लिए हमारे हितरक्षण से भी अधिक हमारी स्वाभाविक आत्मीयता जन्य आवश्यकता है।

विश्व में सर्वत्र ज्ञान–विज्ञान से प्रगति और सुख–सुविधा, तकनीक से सुगम जीवन एवं संचार माध्यमों व अंतरराष्ट्रीय व्यापार के कारण राष्ट्रों में निकटता परिलक्षित होती है। परन्तु विज्ञान एवं तकनीकी की प्रगति की गति से तालमेल के अंतर से सामान्य मनुष्यों के जीवन में बहुत सारी समस्याएं उत्पन्न होती दिखाई देती हैं। युद्धों सहित अन्य छोटे–बड़े कलह, पर्यावरण के क्षरण के कारण प्रकृति के उग्र प्रकोप, सभी समाजों में तथा परिवारों में आई हुई टूटन, नागरिक जीवन में बढ़ता हुआ अनाचार व अत्याचार ऐसी समस्याएं भी साथ में चलती हुई दिखाई देती हैं। इन सबके उपाय के प्रयास हुए हैं परंतु वे इन समस्याओं के पूर्ण निदान देने में असफल रहे हैं। इसके कारण अस्वस्थता, कलह और हिंसा को और बढ़ाते हुए, सभी प्रकार के मांगल्य, संस्कृति, श्रद्धा, परंपरा के संपूर्ण विनाश में इन समस्याओं के समाधान खोजने वाले विकृत और विपरीत विचार लेकर चलने वाली शक्तियों का संकट भी, सभी देशों में अनुभव में आ रहा है। अब विश्व इन समस्याओं के समाधान के लिए भारत की दृष्टि से निकले चिंतन में से उपाय की अपेक्षा कर रहा है।

वैश्विक विकास प्रतिमान के साथ स्वतंत्र दृष्टि जरूरी–

हम सब की आशा और आश्वस्ति बढाने वाली बात यह है कि अपने देश में सर्वत्र तथा विशेषकर नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना अपने संस्कृति के प्रति आस्था व विश्वास का प्रमाण निरंतर बढ़ रहा है। संघ के स्वयंसेवकों सहित समाज में चल रही विविध धार्मिक, सामाजिक संस्थाएं समाज के अभावग्रस्त वर्गों की निःस्वार्थ सेवा करने के लिए आगे आ रही हैं, जिससे अभावों की पूर्ति कर सक्षम समाज की रचना का कार्य आगे बढ़ा है। संघ के समाज के कार्यों में प्रत्यक्ष सहभागी होने की इच्छा समाज में बढ़ रही है। समाज के बुद्धिजीवियों में भी विश्व में प्रचलित विकास तथा लोकप्रबंधन के प्रतिमान के अतिरिक्त अपने देश की जीवन दृष्टि, प्रकृति तथा आवश्यकता के आधार पर स्वतन्त्र प्रतिमान की खोज का चिंतन बढ़ा है।

भारतीय चिन्तन की समग्र व एकात्म दृष्टि–

भारत और विश्व का विचार भारतीय दृष्टि के आधार पर करने वाले स्वामी विवेकानंद से लेकर महात्मा गांधी जी, दीनदयाल जी उपाध्याय, राममनोहर लोहिया जी सभी आधुनिक मनीषियों ने एक समान दिशा का दिग्दर्शन किया है। आधुनिक विश्व के पास जो जीवन दृष्टि है वह पूर्णतः गलत नहीं, लेकिन अधूरी है। इसलिए मानव का भौतिक विकास तो कुछ देशों और वर्गों के लिए आगे बढ़ा हुआ दिखता है, सबका नहीं। सबको छोड़िये, अकेले भारत को अमेरिका जैसा तथाकथित समृद्ध और प्रगत भौतिक जीवन जीना है, तो और पांच पृथ्वियों की आवश्यकता होगी। आज की इस प्रणाली से भौतिक विकास के साथ–साथ मानव का मानसिक व नैतिक विकास नहीं हुआ। इसलिए प्रगति के साथ–साथ ही मानव व सृष्टि के सामने नयी–नयी समस्याएँ खड़ी हो रही हैं। इसका कारण–वही दृष्टि का अधूरापन!

हमारी सनातन, आध्यात्मिक, समग्र व एकात्म दृष्टि में मनुष्य के भौतिक विकास के साथ मन, बुद्धि तथा आध्यात्मिकता का विकास, व्यक्ति के साथ–साथ मानव समूह व सृष्टि का विकास, मनुष्य की आवश्यकताओं – इच्छाओं के अनुरूप आर्थिक स्थिति के साथ–साथ ही, उसके समूह और सृष्टि को लेकर कर्तव्य बुद्धि का तथा सब में अपनेपन के साक्षात्कार को अनुभव करने के स्वभाव का विकास करने की शक्ति है। क्योंकि हमारे पास सबको जोड़ने वाले तत्त्व का साक्षात्कार है। उसके आधार पर सहस्त्रों वर्षों तक इस विश्व में हमने एक सुंदर, समृद्ध और शांतिपूर्ण, परस्पर संबंधों को पहचानने वाला, मनुष्य और सृष्टि का सहयोगी जीवन प्रस्थापित किया था। इसी के आधार पर, आज के विश्व की समस्याओं का शाश्वत निदान देने वाली एक नई रचना की आवश्यकता है। अपने उदाहरण से उस रचना का अनुकरणीय प्रतिमान विश्व को देना यह कार्य नियति हम भारतवासियों से चाहती है।

संघ का चिन्तन –

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने कार्य के शतवर्ष पूर्ण कर चुका है। संघ में विचार व संस्कारों को प्राप्त कर समाज जीवन के विभिन्न आयामों में, विविध संगठनों में, संस्थाओं में, तथा स्थानीय स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक स्वयंसेवक सक्रिय हैं। समाज जीवन में सक्रिय अनेक सज्जनों के साथ भी स्वयंसेवकों का सहयोग व संवाद चलते रहता है। उन सबके संकलित अनुभव के आधार पर संघ के कुछ निरीक्षण व निष्कर्ष बने हैं।

1) भारत वर्ष के उत्थान की प्रक्रिया गति पकड़ रही है। परन्तु अभी भी हम उसी नीति व व्यवस्था के दायरों में ही सोच रहे हैं जिस का अधूरापन उस नीति के जो परिणाम आज मिल रहे हैं उन से उजागर हो चुका है। यह बात सही है कि उन तरीकों पर विश्व के साथ हम भी इतना आगे पहले ही बढ़ गये हैं कि एकदम परिवर्तन करना संभव नहीं होगा। एक लम्बे वृत्त में धीरे–धीरे ही मुड़ना पड़ेगा। परन्तु हमारे सहित विश्व के सामने खड़ी समस्याओं तथा भविष्य के खतरों से बचने का दूसरा उपाय नहीं है। हमें अपनी समग्र व एकात्म दृष्टि के आधार पर अपना विकास पथ बनाकर, विश्व के सामने एक यशस्वी उदाहरण रखना पड़ेगा। अर्थ व काम के पीछे अंधी दुनिया को पूजा व रीति–रिवाजों के परे, सबको जोड़ने और साथ में लेकर चलने वाले, सबकी उन्नति करने वाले धर्म का मार्ग दिखाना ही होगा।

2) संपूर्ण देश का ऐसा आदर्श चित्र विश्व के सामने खड़ा करने का काम केवल देश की व्यवस्थाओं का ही नहीं है। क्योंकि व्यवस्थाओं का अपने में परिवर्तन का सामर्थ्य व इच्छा, दोनों मर्यादित होती है। इन सब की प्रेरणा व इन सब का नियंत्रण समाज की प्रबल इच्छा से ही होता है। इसलिए व्यवस्था परिवर्तन के लिए समाज का प्रबोधन तथा उसके आचरण का परिवर्तन यह व्यवस्था परिवर्तन की पूर्व शर्तें हैं। समाज के आचरण में परिवर्तन भाषणों से या ग्रंथों से नहीं आता। समाज का व्यापक प्रबोधन

करना पड़ता है तथा प्रबोधन करने वालों को स्वयं परिवर्तन का उदाहरण बनना पड़ता है। स्थान—स्थान पर ऐसे उदाहरण स्वरूप व्यक्ति, जो समाज के लिए उसके अपने हैं, उनके जीवन में पारदर्शिता है, निःस्वार्थता है और जो संपूर्ण समाज को अपना मानकर समाज के साथ अपना नित्य व्यवहार करते हैं, समाज को उपलब्ध होने चाहिए। समाज में सबके साथ रहकर अपने उदाहरण से समाज को प्रेरणा देने वाला ऐसा स्थानीय सामाजिक नेतृत्व चाहिए। इसलिए व्यक्ति निर्माण से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से व्यवस्था परिवर्तन यह देश में और विश्व में परिवर्तन लाने का सही पथ है, यह स्वयंसेवकों का अनुभव है।

3) ऐसे व्यक्तियों के निर्माण की व्यवस्था भिन्न—भिन्न समाजों में सक्रिय रहती है। हमारे समाज में आक्रमण की लंबी अवधि में यह व्यवस्था ध्वस्त हो गईं। इसलिए इसकी युगानुकूल व्यवस्था घर में, शिक्षा पद्धति में व समाज के क्रियाकलापों में फिर से स्थापित करनी पड़ेगी। यह कार्य करने वाले व्यक्ति तैयार करने पड़ेंगे। मन बुद्धि से इस विचार को मानने के बाद भी उनको आचरण में लाने के लिए मन, वचन, कर्म, की आदत बदलनी पड़ती है, उसके लिए व्यवस्था चाहिए। संघ की शाखा वह व्यवस्था है। सौ वर्षों से सब प्रकार की परिस्थितियों में आग्रहपूर्वक इस व्यवस्था को संघ के स्वयंसेवकों के द्वारा सतत चलाया गया है और आगे भी ऐसे ही चलाना है। इसलिए स्वयंसेवकों को नित्य शाखा के कार्यक्रमों को मन लगाकर करते हुए अपनी आदतों में परिवर्तन करने की साधना करनी पड़ती है। व्यक्तिगत सद्‌गुणों की तथा सामूहिकता की साधना करना तथा समाज के क्रियाकलापों में सहभागी, सहयोगी होते हुए समाज में सद्‌गुणों व सामूहिकता का वातावरण निर्माण करने के लिए ही संघ की शाखा है।

4) किसी भी देश के उत्थान में सबसे महत्वपूर्ण कारक उस देश के समाज की एकता है। हमारा देश विविधताओं का देश है। अनेक भाषाएँ, अनेक पंथ, भौगोलिक विविधता के कारण रहन—सहन, खान—पान के अनेक प्रकार, जाति—उपजाति आदि विविधता पहले से ही हैं। पिछले हजार वर्षों में भारतवर्ष की सीमा के बाहर के देशों से भी यहाँ पर कुछ विदेशी संप्रदाय आ गए। अब विदेशी तो चले गए, लेकिन उन संप्रदायों को स्वीकार कर आज हमारे ही बंधु भारत में विद्यमान हैं। भारत की परंपरा में इन सब का स्वागत और स्वीकार्य है। इनको हम अलगता की दृष्टि से नहीं देखते। हमारी विविधताओं को हम अपनी अपनी विशिष्टताएँ मानते हैं और अपनी—अपनी विशिष्टता पर गौरव करने का स्वभाव भी समझते हैं। परंतु यह विशिष्टताएँ भेद का कारण नहीं बननी चाहिए। अपनी सब विशिष्टताओं के बावजूद हम सब एक बड़े समाज के अंग हैं। समाज, देश, संस्कृति तथा राष्ट्र के नाते हम एक हैं। यह हमारी बड़ी पहचान हमारे लिए सर्वोपरि है यह हमको सदैव ध्यान में रखना चाहिए। समाज में आपस का व्यवहार सद्भावनापूर्ण व संयम पूर्ण रहना चाहिए। सब की अपनी—अपनी श्रद्धा, महापुरुष तथा पूजा के स्थान होते हैं। मन, वचन, कर्म से आपस में इनकी अवमानना न हो इसका ध्यान रखना चाहिए। इसलिए प्रबोधन करने की आवश्यकता है। साथ ही नियम एवं व्यवस्था पालन करना अपना स्वभाव बनना चाहिये। छोटी—बड़ी बातों पर या केवल मन में संदेह कर कानून हाथ में लेकर गुंडागर्दी, हिंसा करना यह प्रवृत्ति ठीक नहीं। मन में प्रतिक्रिया रखकर अथवा किसी समुदाय विशेष को उकसाने के लिए अपना शक्ति प्रदर्शन करना ऐसी घटनाओं को योजनापूर्वक कराया जाता है।

उनके चंगुल में फ़सने का परिणाम, तात्कालिक और दीर्घकालिक, दोनों दृष्टी से ठीक नहीं है। इन प्रवृत्तियों की रोकथाम आवश्यक है। शासन–प्रशासन अपना काम बिना पक्षपात के तथा बिना किसी दबाव में आये, नियम के अनुसार करें। परन्तु समाज की सज्जन शक्ति व तरुण पीढ़ी को भी सजग व संगठित होना पडेगा, आवश्यकतानुसार हस्तक्षेप भी करना पड़ेगा।

5) हमारी इस एकता के आधार को डॉ. अंबेडकर साहब ने Inherent cultural unity (अन्तर्निहित सांस्कृतिक एकता) कहा है। भारतीय संस्कृति प्राचीन समय से चलती आई हुई भारत की विशेषता है। वह सर्व समावेशक है। सभी विविधताओं का सम्मान और स्वीकार करने की सीख देती है क्योंकि वह भारत के आध्यात्मिक सत्य तथा करुणा, शुचिता व तप के सदाचार पर यानी धर्म पर आधारित है। इस देश के पुत्र रूप हिंदू समाज ने इसे परंपरा से अपने आचरण में उतारा है, इसलिए उसे हिंदू संस्कृति भी कहते हैं। प्राचीन भारत में ऋषियों ने अपने तपोबल से इस को निःसृत किया। भारत के समृद्ध तथा सुरक्षित परिवेश के कारण उनसे यह कार्य हो पाया। हमारे पूर्वजों के परिश्रम, त्याग व बलिदानों के कारण यह संस्कृति फली–फूली व अक्षुण्ण रहकर आज हम तक पहुँची है। उस हमारी संस्कृति का आचरण, उसका आदर्श बनें हमारे पूर्वजों के मन में गौरव व कृति में विवेकपूर्ण अनुसरण तथा यह सब जिसके कारण संभव हुआ उस हमारी पवित्र मातृभूमि की भक्ति यह मिलकर हमारी राष्ट्रीयता है। विविधताओं के संपूर्ण स्वीकार व सम्मान के साथ हम सब को मिलानेवाली यह हिन्दू राष्ट्रीयता ही हमें सदैव एक रखती आयी है। हमारी 'Nation State' जैसी कल्पना नहीं है। राज्य आते हैं और जाते हैं, राष्ट्र निरन्तर विद्यमान है। हम सब की एकता का यह आधार हमें कभी भी भूलना नहीं चाहिए।

6) संपूर्ण हिंदू समाज का बल संपन्न, शील संपन्न संगठित स्वरूप इस देश के एकता, एकात्मता, विकास व सुरक्षा की गारंटी है। हिंदू समाज इस देश के लिए उत्तरदायी समाज है, हिंदू समाज सर्व–समावेशी है। ऊपर के अनेकविध नाम और रूपों को देखकर, अपने को अलग मानकर, मनुष्यों में बटवारा व अलगाव खडा करने वाली 'हम और वे' इस मानसिकता से मुक्त है और मुक्त रहेगा। 'वसुधैव कुटुंबकम्' की उदार विचारधारा का पुरस्कर्ता व संरक्षक हिंदू समाज है। इसलिए भारतवर्ष को वैभव संपन्न व संपूर्ण विश्व में अपना अपेक्षित व उचित योगदान देने वाला देश बनाना, यह हिंदू समाज का कर्तव्य बनता है। उसकी संगठित कार्य शक्ति के द्वारा, विश्व को नयी राह दे सकने वाले धर्म का संरक्षण करते हुए, भारत को वैभव संपन्न बनाना, यह संकल्प लेकर संघ सम्पूर्ण हिंदू समाज के संगठन का कार्य कर रहा है। संगठित समाज अपने सब कर्तव्य स्वयं के बलबूते पूरे कर लेता है। उसके लिए अलग से अन्य किसी को कुछ करने की आवश्यकता नहीं रहती।

7) ऐसे समाज का चित्र प्रत्यक्ष साकार होना है तो व्यक्तियों में, समूहों में व्यक्तिगत तथा राष्ट्रीय चारित्र्य, दोनों के सुदृढ होने की आवश्यकता रहेगी। अपने राष्ट्र स्वरूप की स्पष्ट कल्पना व गौरव संघ की शाखा में प्राप्त होता है। नित्य शाखा में चलने वाले कार्यक्रमों से स्वयंसेवकों में व्यक्तित्व, कर्तृत्व, नेतृत्व, भक्ति व समझदारी का विकास होता है।

इसलिए शताब्दी वर्ष में व्यक्ति निर्माण का कार्य देश में भौगोलिक दृष्टि से सर्वव्यापी हो तथा सामाजिक आचरण में सहज परिवर्तन लाने वाला पंच परिवर्तन कार्यक्रम स्वयंसेवकों के उदाहरण से समाजव्यापी बने, यह संघ का प्रयास रहेगा। सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व बोध तथा स्वदेशी व नियम, कानून, नागरिक अनुशासन व संविधान का पालन इन पांच विषयों में व्यक्ति व परिवार, कृतिरूप से स्वयं के आचरण में परिवर्तन लाने में सक्रिय हो तथा समाज में उनके उदाहरणों का अनुकरण हो ऐसा यह कार्यक्रम है। इसमें अंतर्भूत कृतियाँ आचरण के लिए सरल और सहज है। गत दो–तीन वर्षों में समय–समय पर संघ के कार्यक्रमों में इसका विस्तृत विवेचन हुआ है। संघ के स्वयंसेवकों के अतिरिक्त समाज में अनेक अन्य संगठन व व्यक्ति भी इन्ही प्रकार के कार्यक्रम चला रहे है। उन सब के साथ संघ के स्वयंसेवकों का सहयोग व समन्वय साधा जा रहा है।

विश्व के इतिहास में समय–समय पर भारत का महत्वपूर्ण अवदान, विश्व का खोया हुआ संतुलन वापस लाने वाला, विश्व के जीवन में संयम और मर्यादा का भान उत्पन्न करने वाला विश्व धर्म देना, यही रहा है। हमारे प्राचीन पूर्वजों ने भारत भूमि में निवास करने वाले विविधतापूर्ण समाज को

संगठित कर एक राष्ट्र के रूप में इसी कर्तव्य के बारंबार आपूर्ति करने के साधन के नाते खड़ा किया था। हमारे स्वातंत्र्य संग्राम के तथा राष्ट्रीय नवोत्थान के पुरोधाओं के सामने स्वतन्त्र भारत की समृद्धि व क्षमताओं के विकास के मंगल परिणाम का यही चित्र था।

हमारे बंगाल प्रांत के पूर्ववर्ती संघचालक स्व. केशवचन्द्र चक्रवर्ती महाशय ने बहुत सुन्दर काव्य पंक्तियों में इसका वर्णन किया है–

बाली सिंघल जम्बूद्वीपे, प्रांतर माझे उठे।
कोतो मठ कोतो मंदिर, कोतो प्रस्तरे फूल फोटे ।।
तादेर मुखेर मधुमय बानी, सुने थेमें जाय सब हानाहानी।
अभ्युदयेर सभ्यता जागे, विश्वेर घरे-घरे ।।

(सिंहल और जावा–द्वीप तक भारतीय संस्कृति का प्रभाव फैला हुआ था। जगह–जगह मठ–मंदिर थे, जहाँ जीवन की सुगंध फूलों–सी बिखरती थी। भारत की मधुर और ज्ञानमयी वाणी सुनकर अन्य देशों में भी वैर–भाव और अशांति समाप्त हो जाती थी)

आइए, भारत का यही आत्मस्वरूप आज की देश– काल–परिस्थिति से सुसंगत शैली में फिर से विश्व में खड़ा करना है। पूर्वज प्रदत्त इस कर्तव्य को, विश्व की आज की आवश्यकता को, पूर्ण करने के लिए हम सब मिलकर, साथ चलकर, अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर होने के लिए आज की विजयादशमी के मुहूर्त पर सीमोल्लंघन को संपन्न करें।

।। भारत माता की जय ।।

□□□

LUB's South Bengal Unit conducted Vendor Management Program of Railways at Carriage & wagon Workshop, Liluah Howrah on 19th September. This session was graced by Shri Sandip Shukla-Principal Chief Materials Manager, Shri Yatish Kumar-Chief Workshop Manager (CWM), C&W Workshop, Eastern Railway, Shri Devender Kumar-Dy.Chief Materials Manager, Eastern Railway, Shri Shibram Majhi, Dy.Chief Materials Manager, Koilaghat, Shri Achintya Roy Chowdhury-Dy.Chief Materials Manager (Belur Scrap Yard), Shri Saroj Kumar Sahoo LUB's National VP and Shri Paul Mitra AIWC Member.

स्वदेशी- भारत की अर्थनीति और संस्कृति का जीवंत प्रतीक

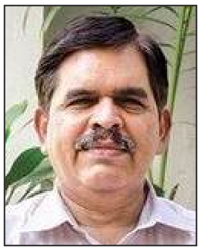

मंथन
डॉ. अश्विनी महाजन
राष्ट्रीय सह-संयोजक, स्वदेशी जागरण मंच
पूर्व प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

(भारतीय आर्थिक विचार श्रृंखला में विशेष आमंत्रित आलेख)

पिछले सौ वर्षों में दुनिया ने प्रौद्योगिकी, भौतिक वस्तुओं के उत्पादन और आर्थिक सेवाओं के विस्तार के मामले में अभूतपूर्व भौतिक प्रगति की है। अगर हम इस प्रगति को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के संदर्भ में मापें, तो हम पाते हैं कि पिछले सौ वर्षों में दुनिया की जीडीपी कई गुना बढ़ गई है। विभिन्न चरणों में हुई औद्योगिक क्रांतियों ने इस भौतिक विकास में योगदान दिया है। आम तौर पर लोग अधिक और बेहतर गुणवत्ता वाली वस्तुओं का उपभोग कर रहे हैं। बुनियादी ढांचे, ऑटोमोबाइल, विमानन, अंतरिक्ष, संचार आदि के क्षेत्र में प्रगति सबसे उल्लेखनीय रही है। लेकिन साथ ही,

पर्यावरण क्षरण, आर्थिक असमानताओं और सामाजिक विघटन के कारण मानवता ने अपने अस्तित्व के मूल आधार को ही संकट में डाल दिया है। हमारा समाज और अर्थव्यवस्था उस स्तर पर पहुँच गए हैं जहाँ हम देखते हैं कि अगर इन बुराइयों को दूर करने के लिए कुछ नहीं किया गया, तो मानव सभ्यता ही नहीं सृष्टि से जीवन ही विलुप्त हो सकता है।

वर्तमान बुराइयों का मूल कारण यह है कि हमने यह मान लिया है कि यदि अधिक वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन बढ़ता है, यदि अधिक उपभोग होता है, ऊर्जा की खपत बढ़ती है और जीडीपी बढ़ती है, तो इसका मतलब है कि विकास हो रहा है। यह मान लिया गया था कि इस भौतिक प्रगति से उत्पन्न होने वाली समस्याओं का स्वतः ही समाधान हो

जाएगा, क्योंकि इस बढ़े हुए उत्पादन का लाभ स्वतः ही आम जनता तक पहुँचेगा और उनका जीवन और बेहतर होगा। लेकिन हम जमीनी स्तर पर जो देखते हैं, कि असमानताएँ तेज़ी से बढ़ रही हैं, जहाँ कुछ लोग विलासिता का आनंद ले रहे हैं और आम जनता गरीबी की चपेट में है। शायद, पर्यावरण के बिगड़ते हालात के बारे में कोई विचार नहीं किया गया। बाद में, जब यह महसूस किया गया कि पर्यावरण के लिए वास्तविक खतरा है, तो सुधार करने के बजाय, समाधान सुझाए जाने लगे, कार्बन क्रेडिट और कार्बन ट्रेडिंग के रूप में पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए बाजार में समाधान ढूंढ़े जाने लगे, जहाँ प्रदूषक उन लोगों को भुगतान करेंगे जो कम प्रदूषण फैलाकर या वृक्षारोपण में

योगदान देकर ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करते हैं, और इस तरह ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में संतुलन बनाए रखते हैं।

लेकिन इन समाधानों से शायद ही कोई बदलाव आया; और हम जो देख रहे हैं वह यह है कि दशकों से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में निरंतर वृद्धि हो रही है, वैश्विक तापमान अभूतपूर्व रूप से बढ़ रहा है, और लगभग 2°C की वृद्धि हुई है, जिससे ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्र का स्तर बढ़ रहा है, जिससे समुद्र के आसपास की बस्तियाँ खतरे में पड़ रही हैं, वायु की गुणवत्ता बदतर हो रही है जिससे साँस लेना भी मुश्किल हो रहा है, पानी और मिट्टी अभूतपूर्व रूप से प्रदूषित हो रहे हैं और इस प्रकार पृथ्वी रहने योग्य नहीं रह रही है। भौतिक प्रगति के साथ, मानवता को भौतिक प्रगति प्राप्त करने की लालसा और लालच के रूप में एक और झटका लगा, जिससे सामाजिक और पारिवारिक विघटन हुआ। मूल्यों में यह गिरावट व्यक्तिवाद के उदय के साथ और भी बढ़ गई।

वर्तमान व्यवस्था में, हमें इन समस्याओं का कोई समाधान नज़र नहीं आता, और वर्तमान उत्पादन व्यवस्था के कारण मानवता विलुप्त होने, बढ़ती असमानताओं और अभावों के वास्तविक खतरे का सामना कर रही है। वर्तमान व्यवस्था एकाधिकार को जन्म दे रही है, जिससे समाजों में शोषण और गहरी अशांति फैल रही है। वैश्विक शक्तियों द्वारा प्रभुत्व की लालसा और डीप स्टेट द्वारा रची गई अशांति के कारण वैश्विक स्तर पर संघर्षों को मानवता के अस्तित्व के लिए एक बड़ा खतरा माना जा रहा है।

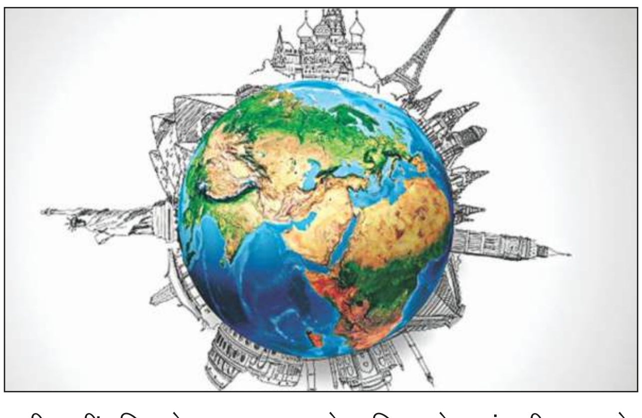

यही नहीं, पिछले कुछ समय से दुनिया ने भूमंडलीकरण के जिस रास्ते को अपनाया है, उसके कारण कुछ देश अपने आर्थिक लाभ के लिए, दूसरे देशों को निरंतर अपने ऊपर निर्भर करते हुए, अपने आर्थिक हित साधने की कोशिश कर रहे हैं। इसके चलते इन देशों पर आर्थिक निर्भरता बढ़ने के कारण अन्य देशों को नुकसान हो रहा है। उदाहरण के लिए जहाँ चीन अतिरिक्त क्षमता के बल पर दुनिया के दूसरे देशों में अपना सामान डंप कर रहा है और वैश्विक मूल्य श्रृंखला में रेयर अर्थ मटेरियल की आपूर्ति को रोक कर उसे हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, तो दूसरी ओर अमेरिका विभिन्न देशों पर टैरिफ बढ़ाकर उन्हें नुकसान पहुँचाने की कोशिश कर रहा है।

स्वदेशी का पुनरुत्थान–

इन परिस्थितियों में स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी विकास का दर्शन, एक बार फिर भारत के राष्ट्रीय विमर्श का केंद्रीय विषय बन गया है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आर्थिक और राजनीतिक आंदोलन के रूप में शुरू हुआ यह विमर्श अब सतत, समतामूलक और सांस्कृतिक रूप से निहित विकास के एक व्यापक दृष्टिकोण के रूप में विकसित हो रहा है। आज, भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ वैश्विक परिवर्तन, तकनीकी आत्मनिर्भरता और घरेलू नीतिगत सुधार स्वदेशी सिद्धांतों के पक्ष में संरेखित हो रहे हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का सजीव प्रतीक है स्वदेशी–

स्वदेशी मात्र एक नारा या आर्थिक नीति नहीं है – यह भारत की सभ्यता के जीवन–दर्शन की सजीव अभिव्यक्ति है। संस्कृति में निहित आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान की भावना पर आधारित, स्वदेशी एक समग्र दृष्टि प्रस्तुत करता है, जो अर्थव्यवस्था, संस्कृति और नैतिकता – तीनों को एक सूत्र में बाँधता है। यह व्यक्ति और समाज दोनों को प्रेरित करता है कि वे विदेशी प्रणालियों की अंधी नकल करने के बजाय अपने देश की उत्पादकता, स्थानीय उद्यमिता और राष्ट्रीय कल्याण को प्राथमिकता दें। इतिहास में स्वदेशी भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा बन गया। यह न केवल औपनिवेशिक आर्थिक शोषण के विरुद्ध एक आंदोलन था, बल्कि राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सकारात्मक कार्यक्रम भी था। चरखा, ग्रामोद्योग और देशी हस्तशिल्प आर्थिक लोकतंत्र और नैतिक पुनर्जागरण के प्रतीक बन गए।

आर्थिक दृष्टि से स्वदेशी का उद्देश्य एक ऐसी आत्मनिर्भर व्यवस्था स्थापित करना है, जिसमें उत्पादन का उद्देश्य केवल लाभ न होकर जनता की आवश्यकताओं की पूर्ति हो। यह विकेन्द्रीकृत उद्योग, छोटे उद्यम और भारत की परिस्थितियों के अनुरूप तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देता है। सांस्कृतिक

दृष्टि से स्वदेशी भारतीय ज्ञान परंपरा, शिल्पकला और जीवन मूल्यों में निहित उस गौरव का प्रतिनिधित्व करता है, जो भौतिक प्रगति के साथ–साथ सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय संतुलन पर भी बल देता है।

इक्कीसवीं सदी में भी स्वदेशी की प्रासंगिकता बनी हुई है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की अस्थिरता और बढ़ते आर्थिक राष्ट्रवाद के युग में भारत का स्वदेशी मार्ग एक टिकाऊ विकल्प प्रस्तुत करता है – ऐसा मॉडल जो केवल मुनाफे पर नहीं, बल्कि श्रम–सम्मान, पर्यावरण–संवेदनशीलता और सामुदायिक कल्याण पर आधारित है। "वोकल फॉर लोकल" और "मेक इन इंडिया" जैसे अभियान इस स्थायी दर्शन की आधुनिक अभिव्यक्ति हैं। इस प्रकार, स्वदेशी भारत की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का एक सजीव प्रतीक है – जो अतीत को भविष्य से, परंपरा को नवाचार से, और व्यक्ति के कल्याण को राष्ट्र की प्रगति से जोड़ता है।

आज स्वदेशी के लिए अनुकूल वातावरण–

आत्मनिर्भर भारत पर सरकार का जोर स्वदेशी आदर्शों के प्रति नई प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और पीएम गति शक्ति जैसी पहलों का उद्देश्य घरेलू उत्पादन, नवाचार और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ाना और विदेशी वस्तुओं और प्रौद्योगिकी पर निर्भरता कम करना है।

बदलती वैश्विक व्यापार गतिशीलता–

कोविड–19 महामारी और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों के दौरान उजागर हुई वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरी ने घरेलू लचीलेपन की आवश्यकता को और अधिक मजबूत कर दिया। दुनिया भर के देश आयात पर अत्यधिक निर्भरता पर पुनर्विचार कर रहे हैं, जिससे भारत के लिए स्वदेशी सिद्धांतों पर आधारित अपने स्थानीय विनिर्माण, कृषि और सेवाओं को बढ़ावा देने का अवसर पैदा हो रहा है।

बढ़ती राष्ट्रीय चेतना–

भारतीय युवाओं में आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना बढ़ रही है। उपभोक्ता न केवल उनके आर्थिक मूल्य के लिए, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की अभिव्यक्ति के रूप में भी भारत में निर्मित उत्पादों को तेज़ी से पसंद कर रहे हैं। यह बदलाव परिधान, प्रौद्योगिकी, हस्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है।

तकनीकी सशक्तिकरण और डिजिटल पहुँच–

भारत में डिजिटल बुनियादी ढांचे का विस्तार स्वदेशी उद्यमियों और छोटे उत्पादकों के लिए नए साधन प्रदान करता है। ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म, डिजिटल भुगतान और ओएनडीसी (डिजिटल कॉमर्स के लिए खुला नेटवर्क) जैसी सरकार द्वारा संचालित पहल स्थानीय उत्पादकों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँचने में सक्षम बनाती हैं– जिससे वैश्विक एकाधिकार का प्रभुत्व कम होता है।

सतत विकास और पर्यावरण जागरूकता–

स्वदेशी दर्शन स्वाभाविक रूप से पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है– स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित करना, परिवहन उत्सर्जन में कमी लाना और समुदाय–आधारित संसाधन प्रबंधन। जैसे–जैसे दुनिया शोषणकारी वैश्वीकरण के स्थायी विकल्पों की तलाश कर रही है, स्वदेशी विकास के एक नैतिक और पारिस्थितिक मॉडल का प्रादुर्भाव हो रहा है।

❑❑❑

निवेशक अनुकूल नीतियों से राजस्थान बना पसंदीदा निवेश गंतव्य

मुख्यमंत्री ने सूरत में टेक्सटाइल, सिरेमिक, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स और रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ की राउंड टेबल मीटिंग

राजस्थान विशेष

उद्योग टाइम्स डेस्क

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने गुजरात के सूरत में प्रवासी राजस्थानी मीट के तहत 8 अक्टूबर को आयोजित सेक्टोरल राउंड टेबल मीटिंग की अध्यक्षता की। उन्होंने टेक्सटाइल, सिरेमिक, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स और रत्न एवं आभूषण उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में निवेश को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राजस्थान के मजबूत औद्योगिक आधार, सुदृढ़ बुनियादी ढांचे, सुविधाएं और निवेशक–अनुकूल नीतियां प्रदेश को निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाती हैं।

श्री शर्मा ने टेक्सटाइल क्षेत्र के प्रतिनिधियों से कहा कि भारत के वस्त्र निर्यात में राजस्थान 10 प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने उद्यमियों को भीलवाड़ा, जयपुर और बांसवाड़ा सहित राजस्थान के कपड़ा समूहों के साथ कार्य करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र कुशल श्रम और बेहतर औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के लगभग 70 प्रतिशत बोन–चाइना टेबलवेयर का उत्पादन राजस्थान करता है। प्रदेश प्रचुर खनिज भंडार और हरित सिरेमिक पर बढ़ते ध्यान के कारण सौर ऊर्जा, निर्माण और औद्योगिक विस्तार में वृद्धि की संभावना भी रखता है। हम सतत औद्योगिक विकास के नए मानक स्थापित करने के लिए नवाचार को शिल्प कौशल और परंपरा को प्रौद्योगिकी के साथ मिला सकते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों का तालमेल भारत की औद्योगिक श्रृंखला को नए सिरे से परिभाषित करेगा।

श्री शर्मा ने फार्मास्यूटिकल क्षेत्र के प्रतिनिधियों से कहा कि भिवाड़ी, नीमराना और अलवर के फार्मा क्लस्टर समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर और दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस–वे के जरिए निर्बाध कनेक्टिविटी से मजबूत हुए हैं। साथ ही, उन्होंने पचपदरा रिफाइनरी और राजस्थान पेट्रो जोन का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश रसायन और पेट्रोकेमिकल्स के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने सेक्टोरल बैठक में जयपुर के रंगीन पत्थर तथा दस्तकारी आभूषणों में प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने जयपुर के बुनियादी निर्यात ढांचे और सीतापुरा विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) पर भी प्रकाश डाला और उद्यमियों को रत्न और आभूषण उद्योग के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया।

श्री शर्मा ने सूरत के उद्यमियों से राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स)–2024 सहित राज्य की निवेशक–अनुकूल नीतियों के तहत निवेश की संभावनाओं को तलाशने का आह्वान किया।

प्रवासी राजस्थानी राज्य के विकास में दें सतत योगदान

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों की उपलब्धियां राज्य के लोगों, विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि (सूरत) के साथ ही अपनी मातृभूमि (राजस्थान) के विकास में भी योगदान दें।

उन्होंने कहा कि गुजरात और राजस्थान दोनों राज्यों के बीच रत्न एवं आभूषण, फार्मा, वस्त्र उद्योग और राज्य में प्रस्तावित पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग के साथ साथ सांस्कृतिक, सामाजिक सहयोग की भी अपार संभावनाएं हैं।

राजस्थान को मिलकर बनाएं 'जेम्स एण्ड ज्वेलरी हब'

मुख्यमंत्री ने कहा कि सूरत और राजस्थान उद्यमिता और सृजनशीलता की साझा भावना से जुड़े हैं। सूरत हीरे की कटाई और सिंथेटिक टेक्सटाइल्स के लिए विश्व प्रसिद्ध है,

वहीं राजस्थान रंगीन पत्थरों, कुंदन, मीनाकारी, वस्त्र और रत्नों के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर राजस्थान को विश्व का 'जेम्स एंड ज्वेलरी हब'बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए।

उत्कृष्ट योगदान के लिए मिलेगा 'प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार'

श्री शर्मा ने 10 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस में प्रवासी राजस्थानियों को बड़ी संख्या में भाग लेने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि देश के बड़े उद्योगपतियों में प्रवासी राजस्थानी शामिल हैं, जो हमारे गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, जिसके अंतर्गत विज्ञान, व्यवसाय, कला, खेल, साहित्य, सिनेमा, संगीत और सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मानित किया जाएगा।

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और डेटा सेंटर्स स्थापित करने में मिलेगा सहयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में दिसम्बर में पेट्रोकेमिकल रिफाइनरी की शुरुआत करने जा रही है। इसके साथ ही हमारी सरकार निवेशकों को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और डेटा सेंटर्स स्थापित करने में हर संभव सहयोग देगी। उन्होंने उद्यमियों और निवेशकों को आईटी, फार्मा, टेक्सटाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी, ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल, पर्यटन और खनन जैसे क्षेत्रों में निवेश करने का आमंत्रण दिया।

7 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स धरातल पर उतरे

उन्होंने कहा कि राजस्थान 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के दौरान हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 7 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स धरातल पर उतर चुके हैं।

रिप्स–2024 के तहत निवेशकों को मिली 1400 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी

मुख्यमंत्री ने राज्य की निवेश–अनुकूल नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने 20 से अधिक नई नीतियां लागू तथा संशोधित की हैं, जिससे एक प्रगतिशील व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम (रिप्स) 2024 के तहत पिछले डेढ़ वर्ष में 1400 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी निवेशकों को दी गई है, जिससे राजस्थान में उद्योग स्थापित करना पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है, बल्कि नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के अनेक नए द्वार भी खोले हैं।"

प्रवासी राजस्थानियों का जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण में उल्लेखनीय योगदान

श्री शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी समुदाय ने जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से राज्य सरकार की योजनाओं जैसे पंचायत समिति नंदीशाला जन सहभागिता योजना, भामाशाह योजना, ज्ञान संकल्प पोर्टल तथा सरकारी कॉलेजों, अस्पतालों और विद्यालयों के नामकरण जैसी पहलों में योगदान देने का आह्वान किया।

प्रवासी राजस्थानियों का हुआ सम्मान, राजस्थान फाउंडेशन का ब्रोशर जारी

मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान प्रवासी राजस्थानी समुदाय की सामूहिक शक्ति, सेवा भावना और राजस्थान की समृद्ध विरासत का प्रतीक है। इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन का ब्रोशर भी जारी किया गया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के विधि मंत्री श्री जोगाराम पटेल, विधायक श्री पुष्पेंद्र सिंह, श्री छगन सिंह राजपुरोहित, जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी एवं भू–जल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अखिल अरोड़ा, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री आलोक गुप्ता, राजस्थान फाउंडेशन सूरत चैप्टर के अध्यक्ष श्री श्याम राठी सहित बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे।

LUB's NEWS in Brief

LUB's delegation led by National Organising Secretary Shri Prakash Chandra Gupta, along with National President Shri Madhu Sudan Dadu, National General Secretary Shri Om Prakash Gupta, and National Jt. GS Shri Naresh Pareek, met Union Minister of State for MSME & Labour and Employment, Ms. Shobha Karandlaje and Union MoS (I/C) for Law & Justice, and Parliamentary Affairs, Shri Arjun Ram Meghwal and extended a warm invitation to the 13th India Stone Mart from 5-8 Feb. 2026 at Jaipur.

HO LUB's delegation led by Shri Prakash Chandra ji, National Organizing Secretary met Rajasthan Chief Minister Shri Bhajanlal Sharma on 21st October and extended warm Diwali greetings to him. On this occasion, the delegation also shared about preparations for the upcoming event India Stone Mart-2026. The delegation included National Jt. General Secretary Shri Naresh Pareek, Convener-India Stone Mart-2026 Shri Natwarlal Ajmera, State Treasurer Shri Arun Jajodia and Vice President Shri Mahendra Khurana.

LUB's Kushalgarh Unit of Banswara District (Rajasthan) was reorganised in the august presence of National Org. Secretary Shri Prakash Chandra ji on 5th October. State President Shri Yogendra Sharma, State VP Shri Pawan Goyal, Chittor Prant GS Shri Praveen Gupta, VP Mahesh Upadhyay and Banswara Unit President Shri Anil Madani were present.

LUB's Pharma Delegation met Shri Amit Agrawal, IAS, Secretary, Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals and Fertilizers, to discuss the challenges faced by SME pharma units and to present solution-oriented recommendations for the sector's

sustainable growth on 6th October. The delegation was led by LUB's National General Secretary Shri Om Prakash Gupta with Pharma Head Dr. Rajesh Gupta, Pharma Heads from Madhya Pradesh Shri Amit Chawla, Maharashtra Dr. Ravleen Khurana, Delhi Shri Nipun Jain, and Vinod Shri Kalani from Rajasthan.

LUB's delegation led by National General Secretary Shri Om Prakash Gupta and All India Textile & Garment Head Shri Mahesh Hurkat met Secretary Smt. Nivedita Shukla and Joint Secretary Shri Deepak Mishra at the Department of Chemicals & Petrochemicals on 7th October. The delegation conveyed the key challenges and policy requirements faced by MSMEs in the textile sector, aiming to foster sustainable growth and industry development. The Secretary was agreed to recommend necessary modifications to the Finance Ministry.

LUB's former National President Shri Baldevbhai Prajapati & AIWC Member Dr. Sachin Sabnis participated in the 238th meeting of Central Board of Trustees (CBT) at HQ in presence of Union Minister for Labour & Employment and Youth Affairs & Sports, Dr. Mansukh Mandaviya & Ms. Shobha Karandlaje, Union MoS for Labour & Employment and MSMEs on 15th October.

Key Reforms Discussed: Simplified EPF withdrawals - 13 provisions merged into 3 (Essential/Housing/ Special) Min. service period 12 months Zero documentation & 100% auto-claim approval Updates on pensions, CITES rollout & Vishwas Scheme Strengthening transparency, tech reforms & member empowerment for crores of EPF subscribers across Bharat.

LUB's UP State General Secretary Shri Rajesh Singh addressed a Workshop for Entrepreneurs at Banaras on 31st Oct. 2025. The workshop was supported by Ministry of MSME, Govt. of India.

Delhi Cluster Level Workshop on Cost and Competitiveness in MSMEs was conducted by MSME DFO & Delhi Unit in the presence of LUB's Former State President Shri Virender Nagpal on 30th Oct. 2025.

A joint Delegation of LUB's Chandigarh & Chandigarh Industrial Association met Chief Secretary Shri H. Rajesh Prasad for Industrial Issues on 30th Oct. 2025.

LUB's Gujarat Team led by Former National President Shri Baldevbhai Prajapati met Dy. CM Shri Harsh Sanghvi and discussed the state of MSMEs in the presence of BJP President Shri Jagdish Vishwakarma on 30th Oct. 2025.

Congratulations to Dr. Baldev Bhai

Hearty Wishes to LUB's Former National President Shri Baldev Bhai Prajapati on being Conferred the prestigious Doctor of Philosophy (Honoris Causa) degree by Burlington State University (Vermont, USA) in recognition of his outstanding contributions to Pharma Industry and Social Work.

LUB's Women Wing of Jaipur Anchal conducted Diwali Celebration on 28th Oct. 2025.

LUB's Telangana core committee meeting was held to discuss future agenda at Hyderabad on 14th October.

LUB's West Bengal (South Sambhag) celebrated the Vijayadashami & Diwali Utsav in the presence of Noted Social Worker Shri Ashok Modi, National Vice President Shri Saroj Kumar Sahoo, President Shri Vijay Agarwal and General Secretary Shri Ramesh Sobhasaria at Kolkata on 26th October.

LUB's Telangana State President Shri Vasanatham Venkateswarlu addressed Introductory Meet at Tandoor. This is a small village of Vikarabad District

known for Mining and Tur Dal Hub and now it has become a Convener Unit on 25th Oct. 2025.

The poster of 3 Day Swayamsiddha Exhibition (11-13 December, 2025) organized by Udaipur Unit was released by National Org. Secretary Shri Prakash Chandra ji in the meeting of State Working Committee at Pushkar on 26th October, 2025.

LUB's Thrissur Unit (Kerala) and MSME-DFO jointly organized a Workshop on Cost & Competitiveness on 24th October. Dr. Rajneesh, IAS, Additional Secretary & DC (MSME), GOI inaugurated the session. The workshop featured insightful discussions on- Cluster development challenges, GST-related issues, Access to finance, Export competitiveness, Policy initiatives to strengthen MSMEs.

LUB's State President and General Secretary had a courtesy meet with Madhya Pradesh Chief Minister Shri Mohan Yadav during his visit to Assam on 5th October. The Chief Minister appreciated the suggestion for joint business between the Northeast and Madhya Pradesh. He expressed his desire to hold a joint meeting with the Laghu Udyog Bharati teams from Madhya Pradesh and Assam.

Laghu Udyog Bharati was felicitated with Princess Diya Kumari Award for outstanding contribution in promoting entrepreneurship & industrial growth under the prestigious Sawai Jaipur Awards-2025. State VP Smt. Anju Singh received the award on behalf of LUB at the City Palace, Jaipur on 24th Oct. 2025. This honour was conferred by the Maharaja Sawai Man Singh-II Museum Trust.

LUB's delegation, led by Shri (CA) Manoj Rungta, General Secretary, Haryana attended a consultation meeting convened by Dr. Rajneesh, DC (MSME), GoI at Nirman Bhawan, New Delhi on 24th October. Focusing on increased access to finance for MSME units, the delegation proposed key suggestions such as raising the working capital loan limit from 20% to 40% of projected turnover, expanding CGTSME coverage to ₹25 crores, releasing excess collateral for existing borrowers, extending NPA norms from 90 to 180 days, improving transparency in credit ratings, exempting audited balance sheets for units filing ITR u/s 44AB (up to ₹10 crore turnover), and revising the external rating requirement threshold from ₹50 crore to ₹100 crore. The DC (MSME) also apprised that a Universal Borrower Interface is being proposed to streamline credit accessibility for MSMEs across India.

LUB's Goa Unit & MSME DFO successfully conducted Awareness Program on 18th October. The session on Intellectual Property (IP), Trademarks, IPR & Geographical Indications (GI) was taken by Adv. Prasanna Timble & Adv. Rashmi Viegas. "100 Days 100 Technologies" - launch of CSIR Technologies was presented by Shri Jayesh Raikar & Shri Yogish Kulkarni. An informative session on MSME Schemes was conducted by Shri DR Johari from MSME DFO and ESIC Schemes by Shri Manish Kumar. The Program was coordinated by Shri Mudit Agarwal and compered by Smt. Gouri Joshi & Shri Vibhor Keny.

LUB's Neemrana Unit of Rajasthan and Raffles University jointly organised an Awareness Program on MSMEs on 18th October.

LUB's GB Pant Nagar (UP) conducted Industrial Meet in presence of Shri Anil Kumar, GM DIC at Surajpur on 16th October. The following issues were discussed:

- Establishment of ESI Hospital at Greater Noida.
- Release of ₹1,200 crore for UPPVNL for infra in the industrial areas.
- Subsidy for DG Sets, for dual challenge of power breakdowns & GRAP restrictions.

Shri Shrivats, Assistant Commissioner discussed MSME schemes. Shri Sanjay Batra, District GS highlighted ongoing concerns such as GST Notices & Audits, Labour Cess Camp and Fire NOC without Harassment.

Shri Pawan, President, Meerut Sambhag, felicitated all District and Chapter Members. Shri K. P. Singh, State

LUB's Head Office organized a vibrant Diwali Celebration in the presence of National GS Shri OP Gupta, Delhi State President Shri Diwan Chand Gupta and GS Smt. Arti Sahgal on 18th October. The gathering reflected the spirit of togetherness and shared commitment to growth and harmony within the MSME community.

EC Member asked GM DIC to extend the deadline for DG Subsidy applications.

LUB's Jalandhar Unit (Punjab) celebrated Diwali with Special Enabled Children of Madhav Sewa Society on 16th October.

LUB's UP Secretary Shri Rajesh Singh met Union MOS for MSME, Smt. Shobha Karandlaje at New Delhi on 15 October. He reminded her for long awaited Tool Room in Varanasi, Training Program for Carpet & Banarasi Saree manufacturing in the tool room and ESIC Medical College. He also demanded Electricity rebate for MSME entrepreneurs like weavers and fast GST refund.

LUB's Meerut Mahanagar Unit organized Diwali Milan on 12th October. On this occasion, State Secretary Shri Rajkumar Sharma, State GS Shri Amit Agarwal, Dy. Labor Commissioner Shri Rajesh Mishra, GS Meerut Division Shri Pankaj Jain, Mahanagar President Shri Satish Garg, General Secretary Shri Anil Agarwal, Shri Rajiv Garg, Secretary Shri Vivek Mittal and Treasurer Shri Himanshu Sharma were present.

LUB's Puducherry delegation comprising Shri V. Visweswaran, General Secretary Shri Ashok, Jt. Secretary Shri Velmourugane, and National EC Member Shri Suresh Babu met Industries Secretary Shri Vikrant Raja IAS on 14th October. The delegation expressed its gratitude for his proactive initiatives on Ease of Doing Business and several ideas to strengthen MSME sector in UT.

LUB's Girwa Unit, Udaipur and US Oswal College signed a MOU for Skilling on 13th Oct. 2025.

LUB's Chennai Unit (TN) conducted an Awareness Program with NSIC and ONDC (Open Network for Digital Commerce) supported by Govt. of India on 13th October.

LUB's Women Wing Ajmer and World Trade Centre, Jaipur jointly organised a Felicitation Ceremony on 12th October. 55 exhibitors were awarded with Certificate of Appreciation for their outstanding contribution. Exhibitors shared inspiring stories of their business journey. Unit President CA Divya Somani, Regional Director, WTO Shri Navneet Agarwal, Treasurer Smt. Anita Motwani, Secretary Smt. Shilpi Jain were present. Key points of GST 2.0 and its impact on MSME sector were also discussed.

LUB's Bhopal and MSME DFO, Indore jointly organised Vendor Development Program at Udyam Setu on 10-11 October. On this occasion, prestigious PSUs- BHEL, GAIL, NHDC, BPCL, GEM, CIPET & NFL- Guna provided important guidance on their stalls.

LUB's Dumka Unit attended a Special Program for

Beneficiaries of PM Vishwakarma Scheme conducted by MSME DFO Dhanbad (Jharkhand State) on 10th Oct. 2025.

LUB's Chandigarh Unit & Industry Cell (BJP) jointly conducted an Insightful Session on GST Reform 2.0 on 8th Oct. 2025.

LUB's Dewas Unit conducted Swayamsiddha Exhibition on 7th Oct. 2025.

LUB's Agra Unit conducted Vishwakarma Jayanti in presence of Commissioner Shri Shailendra Singh, Shri Rakesh Garg National Jt. GS, Shri Deepak

Agarwal on 9th October. On this occasion, professionals working in medical, accounting, construction, industry and service sector were felicitated and 42 distinguished labors were honored with "Srijan Shakti Samman". District President Mr. Vijay Gupta

---

LUB's Madhya Bengal Unit conducted EC Meeting and Bijoya Sammelan in the presence of Shri Saroj K. Sahoo, National VP, and Shri Paul Mitra, AIWC Member on 12th October. Various points were discussed, such as-Process & procedures of LUB, Advantages through CSIR, Details about the ESIC program held at North Bengal, LUB's role and responsibilities regarding updates and amendments to GOI policies, Know Your Member initiative, along with accountability distribution for district-wise- Shri Prahlad Ghose- Murshidabad, Birbhum & Nadia, Dr. P. Banerjee-Purba Bardhaman & Hooghly, Shri Ratan Agarwal & Shri Ashok Chakraborty- Paschim Bardhaman, Bankura & Purulia, Responsibility to discuss with SAIL for an office building- Shri Ranjan Jana & Shri Ratan Agarwal, Planning of a vendor management program for suitable manufacturers Implementation of LUB Mitra in coordination with other associations. The process of implementation and enlistment of "LEAP" was narrated in brief, with a target set to upload the products of all members A Sammelan and Exhibition in collaboration with MSME is planned to be held in November 2025 at Berhampore, Murshidabad. Shri Ratan Konar, President of Madhya Bengal, extended the vote of thanks.

LUB's Goa & MSME DFO Goa, successfully conducted a free MSME/Udyam Aadhaar Registration Workshop for homepreneurs and micro-entrepreneurs on 11th October. Over 60 enthusiastic entrepreneurs attended and got registered on the Udyam Aadhaar portal. The speakers included Shri Gopal Kerkar, Lead

District Manager, North Goa (SBI), who shared valuable insights on various banking schemes, and Shri Ajay Gramopadhye, LUB EC Member, along with Shri Kulkarni from the MSME DFO office, who discussed government initiatives and MSME schemes. The program was coordinated by Ms. Gouri Joshi and Ms. Divya.

LUB's Mathura Unit (UP) & GST Department jointly organized a meeting on 11th October. National Secretary Shri Deepak Agarwal, Jt. State GS Dr. Gaurav Mittal, Jt. Commissioner Shri Ramesh Singh, and Jt. Commissioner (SIB) Shri Anil Kanojia and Treasurer CA Shri Sanjeev Agarwal were present. 17 new members were enrolled on this occasion.

Swayamsiddha Diwali Exhibition conducted by LUB's Women Wing Alwar was inaugurated by Padmashri Usha Chaumar, former Mrs. Universe Dr. Shikha Tiwari, E-Gurukul Convener Smt. Pratibha Poonia on 5th October. On this occasion, State VP Shri Rajesh Gupta, Shri Sandeep Gupta, Shri Devendra Agarwal, Unit President Shri Shashank Jhalani, Secretary Shri Pankaj Tiwari, Women Wing President Smt. Shiwani Yadav, Secretary Rupali Gupta, Treasurer Smt. Ruchi Sodhi and other members were present.

LUB's Goa organized a Workshop on Sustainable Development in association with the Sant Sohirobanath Ambiye Government College & Research Centre on 3rd October. Smt. Pallavi Salgaocar, State President discussed "Sustainable Entrepreneurship: Opportunities and Challenges". Shri Amey Amshekar - vertical head of Paanch Parivartan and Swalambhi Bharat also spoke on the occasion encouraging students to balance economic growth with sustainability.

An important meeting was held at LUB's HO with Punjab Officials to resolve issues on 1st October. National GS Shri Om Prakash Gupta led the meeting along with Shri Amit Goyal, AIWC Member, Shri Pardeep Mongia, State President, and Shri Puneet Gupta, Treasurer who actively participated.

LUB's National GS addressed an Insightful Session @ Startup and SMEs Meet

A Startup and SMEs Meet was organized at Guru Gobind Singh Indraprastha University (GGSIPU), New Delhi on 27th October. LUB's delegation led by Shri Om Prakash Gupta, National General Secretary, was invited for an insightful session on SMEs. Prof. Mahesh Verma, Vice Chancellor, GGSIPU, delivered the Presidential Address and shared his valuable insights throughout the sessions. Prof. Gagan Deep Sharma, President (IIC-GGSIPU), delivered the Welcome Address and Opening Remarks and chaired the entire event with his engaging moderation.

Shri O.P. Gupta shared insights on LUB's initiatives in skill development, technology transfer, and strengthening the industry-academia ecosystem. The LUB delegation also included Smt. Anju Bajaj, Smt. Jayanti Goela, Smt. Aarti Sehgal, Shri Ujjwal Gupta, and Dr. Arshpreet Kaur. The event was graced by Prof. Jerzy Lis, Rector of AGH University, Poland, as the Chief Guest. Prof. Lis and his team shared perspectives on AGH's collaboration with GGSIPU and opportunities for international academic–industrial engagement. Young entrepreneurs and innovators from AIC-GGSIPU and IPU Innovation & Incubation Foundation (IPU IIF) showcased their startups, highlighting the university's vibrant innovation ecosystem. This event opened exciting possibilities for leveraging GGSIPU's startup ecosystem for LUB members and exploring collaboration with AGH University, Poland-a globally ranked institution known for excellence in technology and applied research.

□□□

इंडिया स्टोनमार्ट -2026 के लिए जोधपुर में विशेष संवाद-सत्र आयोजित

राजस्थान के पत्थर उद्योग को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने और आगामी स्टोनमार्ट आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए लघु उद्योग भारती ने जोधपुर कार्यालय में विशेष संवाद–सत्र आयोजित किया। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से पत्थर उद्योग से जुड़े यहाँ के उद्यमियों के लिए वैश्विक खरीदारों के साथ व्यापार की नयी संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

एलयूबी राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री नरेश पारीक ने बताया कि इस आयोजन में राजस्थान सरकार की ओर से संगठन को पार्टनर बनाने के महत्वपूर्ण निर्णय के बाद से ही वैश्विक स्तर पर विशेष प्रयास किये गए हैं। उन्होंने बताया कि 'इंडिया स्टोनमार्ट–2026' के वैश्विक प्रचार–प्रसार के लिए कई अंतरराष्ट्रीय पत्थर प्रदर्शनियों में सक्रिय भागीदारी कर विश्व की जानी–मानी कंपनियों को आमंत्रित किया गया। इन महत्वपूर्ण आयोजनों में इटली की Marmomac-2024 एवं Marmomac-2025, चीन का Xiamen Stone Fair, टर्की का Izmir Fair, अमेरिका का 'The Covering Show', ब्रिटेन में 'The Stone show'–'Hard Surface' रूस का 'Stone Industry 2025 Show' आदि सम्मिलित है।

5 से 8 फ़रवरी, 2026 को आयोजित स्टोनमार्ट की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के संयोजक श्री नटवरलाल अजमेरा ने जानकारी दी कि नेचुरल स्टोन के साथ मशीनरी, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और लेटेस्ट डिजाइन को शोकेश करने वाले इस आयोजन में विदेशों के एग्जीबिटर्स और विजीटर्स अच्छी संख्या में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में जोधपुर, नागौर और पश्चिमी राजस्थान के पत्थर उद्योग से जुड़े हुए उद्यमियों को बताया गया कि राजस्थान सरकार की ODOP और PMS योजना से वित्तीय सहायता प्राप्त कर वे किस तरह से इस आयोजन में सहभागिता कर सकते हैं। इस परिचर्चा सत्र को निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा और CDOS के वाइस चेयरमैन श्री दीपक अजमेरा ने भी संबोधित किया।

कोटा में एलयूबी और एमएसएमई विभाग ने उद्यमी कार्यशाला की

लघु उद्योग भारती, कोटा और एमएसएमई मंत्रालय ने संयुक्त रूप से उद्यमी कार्यशाला आयोजित की। दिल्ली से अतिरिक्त विकास आयुक्त श्रीमती अश्विनी लाल, एलयूबी वृहद इकाई अध्यक्ष श्री अंकुर गुप्ता, राष्ट्रीय सलाहकार श्री गोविंदराम मित्तल ने विभागों में सुधार के संभावित क्षेत्रों पर प्रकाश डाला, जिसका 32 सूत्रीय PPT प्रस्तुतीकरण श्री अक्षय सिंह द्वारा किया गया। रानपुर इकाई अध्यक्ष श्री मनोज अग्रवाल और श्री संजय शर्मा ने अपने क्षेत्रों की समस्याएं साझा कीं। SSIS एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री मनोज राठी ने MSME योजनाओं की सब्सिडी जल्द उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में हाड़ौती कोटा स्टोन एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री रोहित सूद, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स सोसाइटी के अध्यक्ष श्री कमलदीप मान सहित i-Start UP, SIDBI, ECGC प्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। सभी सुझावों को संयुक्त निदेशक जयपुर श्री प्रदीप ओझा, संयुक्त निदेशक दिल्ली श्री योगेश शर्मा एवं महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र कोटा श्री हरिमोहन शर्मा ने रिकॉर्ड किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री महेश गुप्ता (CA), प्रांत उपाध्यक्ष श्री पवन गोयल, प्रभारी श्री यशपाल भाटिया एवं सदस्य श्रीमती शशि मित्तल उपस्थित रहे। श्री आशुतोष जैन ने मंच संचालन एवं श्री संदीप जांगिड़ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जोधपुर में उत्सव-2025 आयोजन पर किया मंथन

लघु उद्योग भारती राजस्थान के जोधपुर प्रान्त की कार्यकारिणी बैठक निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा की गरिमामयी उपस्थिति में 2 अक्टूबर को भवन

सभागार में सम्पन्न हुई। जोधपुर प्रान्त उपाध्यक्ष श्री हरीश लोहिया ने संगठनात्मक गतिविधियों और सदस्यता अभियान की जानकारी दी। बैठक में आगामी पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव–2026 की तैयारियों पर प्रान्त महामंत्री श्री सुरेश विश्नोई ने जानकारी दी। प्रदेश उपाध्यक्ष श्री महावीर चोपड़ा ने अखिल भारतीय कार्यसमिति एवं कार्यकारिणी बैठक निर्णयों से सदस्यों को अवगत कराया। जोधपुर महानगर इकाई अध्यक्ष श्री पंकज भंडारी ने नवनियुक्त सदस्यों के सदस्यता प्रपत्र एवं चेक प्रस्तुत किये।

अकोला में नई इकाई का किया गठन

एलयूबी राजस्थान के चित्तौड़ प्रांत की नवीन इकाई अकोला

का गठन लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी की उपस्थिति में 6 अक्टूबर को हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज देश के छोटे–छोटे उद्योगों को एक ऐसे मंच की आवश्यकता है, जहाँ वे आपसी संवाद, अनुभव साझा करने और संसाधनों के आदान–प्रदान के माध्यम से अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती इस आवश्यकता को पूरा करने वाला देश का सबसे बड़ा और विश्वसनीय संगठन है।

प्रदेश अध्यक्ष श्री योगेन्द्र शर्मा ने संगठन के उद्देश्यों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि संगठन न केवल उद्योगों को संगठित कर रहा है, बल्कि उन्हें प्रशिक्षण, बाज़ार, तकनीकी सहयोग एवं नीति–निर्धारण में भी सक्रिय योगदान दे रहा है। उन्होंने बताया कि अकोला में ब्लॉक प्रिंटिंग का बहुत अच्छा कार्य हो रहा है जिसे विकसित करने के लिए राज्य सरकार ने भी आर्थिक सहयोग किया है। प्रदेश उपाध्यक्ष श्री पवन गोयल ने नव कार्यकारिणी घोषित की जिसमें अध्यक्ष श्री उदयलाल छीपा, सचिव श्री श्री लक्ष्मीलाल छीपा तथा कोषाध्यक्ष पद पर श्री हीरालाल छीपा को जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम संचालन प्रदेश महासचिव श्री प्रवीण गुप्ता ने किया। इस अवसर पर प्रांतीय संयुक्त सचिव श्री प्रवीण टाक, क्षेत्रीय विधायक श्री अर्जुनलाल जीनगर, पूर्व विधायक एवं चित्तौड़गढ़ डेयरी अध्यक्ष श्री बद्रीलाल जाट एवं श्री रवि जाजू मौजूद थे।

सेलाकुई में एमएसएमई कॉस्ट कॉम्पिटिटिव कार्यशाला आयोजित

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा कॉस्ट कॉम्पिटिटिव फॉर एमएसएमई कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन उत्तराखंड के सेलाकुई स्थित एरोमेटिक केंद्र में एलयूबी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विजय सिंह तोमर की उपस्थिति में किया गया। इस कार्यशाला में केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग प्रतिनिधि तथा उद्यमी उपस्थित रहे।

नागपुर में कोजागिरी मिलन समारोह संपन्न

एलयूबी नागपुर ने 7 अक्टूबर को वार्षिक कोजागिरी मिलन सफलतापूर्वक मनाया। 250 से अधिक उद्यमी सदस्यों और उनके परिवार जनों ने इसमें सहभागिता की।

किशनगढ़ में दीपावली मिलन आयोजित

एलयूबी किशनगढ़ इकाई ने दिवाली मिलन कार्यक्रम 26 अक्टूबर को आयोजित किया जिसमें राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री भागीरथ चौधरी, मुख्य वक्ता श्री नारायण गुप्ता, राष्ट्रीय सचिव श्री नरेश पारीक, प्रदेश अध्यक्ष श्री योगेन्द्र शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मुकेश अग्रवाल एवं श्री नटवरलाल अजमेरा, चित्तौड़ प्रांत अध्यक्ष श्री महेश हुरकट, जयपुर प्रांत अध्यक्ष श्री महेन्द्र मिश्रा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

एलयूबी उत्तर प्रदेश की मांग को हस्तकरघा मंत्री ने स्वीकारा

एलयूबी मेरठ मंडल के अध्यक्ष श्री अमरीश गोयल तथा मुरादनगर महामंत्री श्री रमन गोयल ने 18 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री राकेश सचान से भेंट कर पावरलूम के बकाया बिलों के ब्याज और पेनल्टी के विषय में बात की जिस पर श्री सचान ने तुरंत कार्यवाही करते हुए ब्याज और पेनल्टी माफ करने और बकाया को किस्तों में

जमा करने का आदेश दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने हस्तकरघा विभाग से मिलने वाले प्रमाण पत्र को 2 की बजाय 7 वर्ष तक के लिए घोषित कर दिया।

एलयूबी पूर्वोत्तर को एमएसएमई मंत्री ने किया सम्मानित

केंद्र सरकार के एमएसएमई मंत्रालय में राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे ने असम प्रवास पर 30 अक्टूबर को गुवाहाटी में NSIC के कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती पूर्वोत्तर के उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति–पत्र एवं स्मृति–चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

रीवा में लीन वर्कशॉप आयोजित

एलयूबी मध्यप्रदेश की रीवा इकाई ने RAMP के अंतर्गत EDP और LEAN कार्यशाला का आयोजन 29 अक्टूबर किया। कार्यक्रम में संयुक्त इकाई के अध्यक्ष श्री दीपक मदान, कोषाध्यक्ष श्रीमती नम्रता वर्मा, श्रीमती अमृता केसरवानी, जिला खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के श्री सत्यसागर भी उपस्थित रहे।

मादड़ी इकाई ने एनर्जी ऑडिट कार्यशाला की आयोजित

एलयूबी राजस्थान की मादड़ी इकाई (उदयपुर) और जिला उद्योग केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में रैंप स्कीम के तहत ग्रीन ऑडिट जागरूकता कार्यशाला का आयोजन 27 अक्टूबर को किया गया। कार्यक्रम में एमएसएमई इकाइयों को रैंप RAMP स्कीम में तकनीकी उन्नयन तथा ऊर्जा ऑडिट से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं.. जैसे ओडीओपी (ODOP), MSME-2024 एवं एक्सपोर्ट प्रमोशन के बारे में भी जानकारी दी गई।

जयपुर में स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी की आयोजित

एलयूबी जयपुर अंचल की महिला इकाई ने 3 दिवसीय स्वयंसिद्ध प्रदर्शनी का आयोजन 2–4 अक्टूबर को जयपुर में किया। (बाएं से) –प्रदर्शनी के उद्घाटन सत्र में प्रदेश महासचिव श्री सुधीर गर्ग, राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव श्री नरेश पारीक, उप मुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी, अंचल सचिव सुश्री सुनीता शर्मा, अग्रणी उद्यमी श्रीमती वैशाली वशिष्ठ और प्रदेश उपाध्यक्ष श्री महेंद्र खुराना। ❑❑❑

राजस्थान प्रदेश कार्यसमिति बैठक पुष्कर में संपन्न

एलयूबी राजस्थान प्रदेश कार्यसमिति की बैठक तीर्थराज पुष्कर (अजमेर) में 26 अक्टूबर को आयोजित की गयी। पदाधिकारियों ने प्रांतों के प्रतिवेदन एवं भविष्य के कार्यक्रमों की जानकारी दी। बैठक में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, राष्ट्रीय सचिव श्री नरेश पारीक, प्रदेश अध्यक्ष श्री योगेंद्र शर्मा, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़ एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

निरामय राजस्थान
सर्वे सन्तु निरामया

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजन लाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (NTCP)

टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 3.0

प्रमुख गतिविधियां

- तम्बाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों के संबंध में जन-जागृति
- तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान
- तम्बाकू मुक्त ग्राम
- तम्बाकू नियंत्रण अधिनियमों की पालना
- सोशल मीडिया के द्वारा जन जागरुकता
- तम्बाकू नियंत्रण पर प्रशिक्षण

जिन्दगी चुनो, तम्बाकू नहीं।

तम्बाकू मुक्ति के लिए जिला अस्पतालों में
तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श केन्द्र संचालित हैं

तम्बाकू छोड़ने के लिए Toll Free Quit line 1800-11-2356 पर संपर्क करें

चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं (आईईसी) राजस्थान, जयपुर

UDYOG TIMES
OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI
30 October - 2025
Registration No. RAJBIL/2016/69093
Postal Reg. No. : Jaipur City/433/2020-22

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

स्वदेशी अपनाएं
आत्मनिर्भर राजस्थान बनाएं

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

माननीय प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी जी** के **75 वें जन्मदिन** से प्रेरित जनसेवा अभियान

सेवा शिविरों से मिली आम जनता को बड़ी राहत

2.03 लाख + पट्टे वितरण	**1.22 लाख +** फार्मर रजिस्ट्री में नए पंजीयन	**1.61 लाख+** भू-राजस्व शुद्धिकरण प्रकरणों का निस्तारण
1.30 लाख + नामान्तरण प्रकरणों का निस्तारण	**2.76 लाख +** मंगला पशु बीमा योजना पॉलिसी	**1.78 लाख +** मूल निवास प्रमाण पत्र
2.11 लाख + जाति प्रमाण पत्र वितरण	**1.25 लाख +** जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन	**2.03 लाख+** सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स सत्यापन
97 हजार + खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर आवेदनों की स्वीकृति	**25 हजार +** स्वनिधि योजनांतर्गत ऋण आवेदन	**1.62 लाख +** जनधन योजना में बैंक खाते खोले
1.19 लाख + जन आधार योजना में अद्यतन / संशोधन	**75 हजार +** वय वंदन कार्ड जारी	**17.06 लाख +** किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं की एनीमिया की जांच
11.42 लाख + नागरिकों की टी.बी. रोग स्क्रीनिंग	**25.68 लाख +** लोगों का स्वास्थ्य शिविर में उपचार	**1.42 लाख +** नई स्ट्रीट लाइट / सुधार

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

Follow us
lubindia
lubindia
@lubBharat
lub.india
laghu-udyog-bharati

LUB's Monthly Magazine Published by OP Mittal Printed at Raj Blocks, 22 Godown Ind. Area Kartapura, JAIPUR-302019